(ख) स्वयंसेवी संस्थाओं को इस प्रकार का अध्ययन कार्य सौंपने हेतु निर्धारित दिशा-निर्देशों और प्रक्रिया का ब्यौरा क्या है;

(ग) उन संस्थाओं को धनराशि आवंटित करने के लिए क्या मानदण्ड अपनाए गए हैं; और

(घ) क्या सरकार ने इन सभी संस्थाओं द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदनों की जांच करायी है?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती डी॰ के॰ तारा देवी सिद्धार्थ: (क) से (घ): वर्ष 1990-91 और 1991-92 के दौरान लगभग 19.66 लाख रुपये की लागत के परिवार कल्याण के क्षेत्र में दो तदर्थ अध्ययन अनुमोदित/शुरू किए गए थे। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण को मंजूरी दी गई है। सम्पूर्ण परियोजना की संशोधित लागत 3.3 मिलियन अमेरिकी डालर है। अन्तर्राष्ट्रीय जनसंख्या विज्ञान संस्थान, बम्बई और जनसंख्या अनुसंधान केन्द्र के अतिरिक्त इस सर्वेक्षण में चयनित परामर्शी संगठन भी शामिल हैं। यह कार्य चल रहा है। ये अध्ययन आधारभूत ढांचे संगठनात्मक योग्यता के क्षेत्र में अपेक्षित अनुभव के आधार पर अभिकरणों/संगठनों को सौंपे जाते हैं। अभिकरणों को देय राशि अलग-अलग अध्ययनों के लिए अलग-अलग होती है। जो नमूना, आकार, प्रश्नावली के डिजाइन, उत्तर देने वालों के सर्वेक्षण, प्रणाली विज्ञान के प्रकार, कवर किए जाने वाले क्षेत्र और अन्य उपयुक्त प्राचलों पर निर्भर करती है। ऐसे अध्ययनों की रिपोर्ट/निष्कर्ष को कार्यक्रम प्रतिपादन में उपयुक्त प्रयोग के लिए कार्यक्रम अधिकारियों और राज्य सरकारों को वितरित किया जा रहा है।

गर्भवती महिलाओं की मृत्यु-दर

290. **श्री अजीत जोगी:** क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) विगत तीन वर्षों के दौरान गर्भवती महिलाओं की, वर्षवार, मृत्यु-दर कितनी थी;

(ख) क्या इस प्रकार होने वाली मृत्यु की संख्या में कोई विशेष परिवर्तन देखने को मिला है; और

(ग) यदि नहीं, तो ऐसी मौतों की बढ़ती संख्या को रोकने के लिए सरकार ने क्या उपाय किए हैं?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती डी॰ के॰ तारादेवी सिद्धार्थ: (क) से (ग) भारत के महापंजीयक द्वारा किया गया नमूना पंजीयन पद्धति (एस आर एस) सर्वेक्षण मातृ मृत्युदर के आकलन नहीं प्रदान करता।

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय देश में मातृ मृत्युदर को कम करने के लिए अनेक कार्यक्रमों का कार्यान्वयन करता रहा है। प्रमुख पहलें/कार्यक्रम इस प्रकार हैं:—

(क) व्यापक रोगप्रतिरक्षण कार्यक्रम जिसके तहत गर्भवर्ती महिलाओं को टेटनस से संरक्षित करने के लिए उन सभी को टेटनस टॉक्साइड दिया जाता है।

(ख) गर्भवती महिलाओं में पौषणिक रक्ताल्पता के विरूद्ध रोगनिरोधन।

(ग) दाई प्रशिक्षण कार्यक्रम जिसके तहत सुरक्षित प्रसव कराने संबंधी 5.00 लाख से ज्यादा पारम्परिक दाइयों को प्रशिक्षित किया जा चुका है।

ग्रामीण क्षेत्रों में 1.3 लाख से ज्यादा उप-केन्द्रों, लगभग 22.250 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों और लगभग 2015 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों के नेटवर्क तथा शहरी क्षेत्रों में अस्पतालों, हेल्थ पोस्टों और डिस्पेंसरियों आदि के मौजूदा नेटवर्क के माध्यम से विभिन्न मातृ स्वास्थ्य परिचर्या स्कीमें चलाई जाती हैं। जन्म में उचित अंतर रखते हुए माताओं और नवजात शिशुओं की जीवन प्रत्याशा बढ़ाने के लिए परिवार नियोजन सेवाएं प्रजननशील आयु समूह में आने वाली महिलाओं को प्रदान किया जाता है।

Crystalloid Units in AIIMS to Manufacture Intravenous Fluids

291. SHRI MENTAY PADMANABHAM: Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the "Crystalloid Unit" set up for the manufacture of intravenous fluids in the All India Institute of Medical Sciences, New Delhi is lying unused for the last several years;

(b) if so, what are the reasons thereof;

(c) whether there is any proposal to revive the unit; and

(d) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (SHRIMATI D.K.

THARA DEVI S1DDHARTHA); (a) No sir.

(b) to (d) Docs not arise in view of reply at (a) above.

Illness due to Administration of contaminated Intravenous Injections

292. DR. BAPU KALDATE:
SHRIMATI KAMLA SINHA:

Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state:

(a) whether a number of patients in the female surgical ward of safdarjung Hospital were seriously taken ill recently following administration of contaminated intravenous injections;

(b) if so, what arc the details thereof;

(c) what is the outcome of the inquiry conducted by Government into the matter; and

(d) what action has been taken by Government for this gross negligence on the part of the hospital and against the supplier of contaminated intravenous in jections?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (SHRIMATI D.K. THARA DEVI SIDDHARTHA): (a) and (b) Eight patients admitted in the female surgical ward of safdarjung Hospital developed some adverse reactions. However, this was controlled by timely medical attention and seven patients were discharged after recovery. One patient expired due to intestinal obstruction and not due to administration of IV Fluids.

(c) and (d) Enquiry has been conducted in the matter. The enquiry report is being examined. The samples of IV fluids which caused reaction, have been sent to the Government Analyst for testing.

राममनोहर लोहिया अस्पताल में मौतें

293. **मौलाना ओबैदुल्ला खान आज़मी:** क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि 3 और 4 नवम्बर, 1992 को राम मनोहर लोहिया अस्पताल, नई दिल्ली में स्टाफ और डाक्टरों की लापरवाही से कई बच्चे मर गये;

(ख) क्या यह भी सच है कि मरने वाले बच्चों के संबंधियों ने इस पर अपना तीव्र विरोध प्रकट किया;

(ग) यदि हां, तो दोषी स्टाफ और डाक्टरों के विरूद्ध क्या कार्यवाही की गयी है; और

(घ) इस प्रकार की घटनाएं भविष्य में न होने देने के लिये क्या कदम उठाये गए हैं?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती डी॰ के॰ तारा देवी सिद्धार्थ): (क) से (घ) 3 नवम्बर, 1992 को रक्ताधिक्य (कन्जेस्टिव) हृद्‌विकार के कारण श्वसनिकाशोथ से एक बच्चे की मृत्यु हुई और दूसरे बच्चे की 4 नवम्बर 1992 को गंभीर वायरल रक्तस्रावी ज्वर से मृत्यु हुई। 3 नवम्बर, 1992 को जिस बच्चे की मृत्यु हुई उसके संबंधियों ने कोई विरोध प्रकट नहीं किया। लेकिन जिस बच्चे की मृत्यु 4 नवम्बर, 1992 को हुई उसके परिचारकों ने उस समय विरोध प्रकट किया जब रोगी को रक्ताधान कराया जा रहा था, जिसकी सलाह गहन उपचार के अतिरिक्त दी गई थी। इन मौतों के लिए किसी कर्मचारी अथवा डाक्टर को दोषी नहीं पाया गया है।

मच्छर उन्मूलन कार्यक्रम

294. **मौलाना ओबैदुल्ला खान आज़मी:** क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि दिल्ली में धुंआ करने और मच्छर उन्मूलन के अन्य उपाय समुचित और पर्याप्त रूप से नहीं किये गए गये हैं;

(ख) क्या यह सच है कि दिल्ली में मच्छरों की संख्या में बहुत अधिक वृद्धि हो गई है;

(ग) क्या यह भी सच है कि मच्छर उन्मूलन कार्यक्रम के कार्यान्वयन में शिथिलता आ गई है;

(घ) यदि हां, तो इस मामले में क्या कदम उठाये गये हैं/उठाये जा रहे हैं; और